आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने बाजरा पुनर्जागरण को बढ़ावा देने के लिए विंटर स्कूल का उद्घाटन किया

तारीख: 21 दिसंबर, 2023

आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईसीएआर-सीआईपीएचईटी) लुधियाना में "बाजरा पुनर्जागरण को प्रज्वलित करना: पोषण सुरक्षा, हानि न्यूनतमकरण और संवर्द्धन के लिए पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के साथ बाजरा वर्ष को आगे बढ़ाना" विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल का समापन हुआ। लाभप्रदता"। मूल्य संवर्धन के माध्यम से, कार्यक्रम का उद्देश्य बाजरा खेती, प्रसंस्करण और उपयोग के पुनरुद्धार को प्रोत्साहित करना है। विंटर स्कूल ने कई राज्यों के पच्चीस प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं को एक साथ लाया और जानकारी साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इसने उपस्थित लोगों को बाजरा प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य संवर्धन के लिए नवीन तकनीकों तक पहुंच भी प्रदान की। कार्यक्रम में व्यवसाय विकास, तकनीकी विकास और वर्तमान अनुसंधान और विकास रुझान शामिल हैं जो बाजरा प्रसंस्करण के लिए प्रासंगिक हैं। भोपाल के बेनेवोल वेलफेयर सोसाइटी के मानद अध्यक्ष और आईसीएआर-सिफ़ेट, लुधियाना के पूर्व निदेशक, डॉ. आर टी पाटिल ने समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक उत्पादों में बाजरा के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें बाजरे के आटे से बनी चॉकलेट, स्मूदी, पकाने के लिए तैयार मिश्रण, माल्ट-आधारित स्वास्थ्य पेय और बहुत कुछ शामिल हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को रोकने के लिए, उन्होंने नियमित आहार में बाजरा का उपयोग करने और वैज्ञानिक जांच के आधार पर बाजरा घास के संभावित स्वास्थ्य लाभों की जांच करने की भी सिफारिश की। आईसीएआर-सिफेट लुधियाना के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले ने इस बात पर अपने विचार साझा किए कि बाजरा के प्राथमिक प्रसंस्करण में मशीनीकरण से पंजाब के किसानों को कैसे लाभ हो सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से उनके अनुसंधान प्रयासों के लिए बाजरा प्रसंस्करण के क्षेत्र में अंतर-संस्थागत भविष्य के सहयोग का भी आग्रह किया। पाठ्यक्रम निदेशक और प्रमुख (एक्ट) एफजी एंड ओपी डिवीजन डॉ. मंजू बाला ने 21-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की, जबकि पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. स्वाति सेठी और डॉ. पंकज कुमार ने इस समापन कार्यक्रम का कुशल समन्वय किया। शीतकालीन विद्यालय. सार-संग्रह के रूप में व्याख्यान नोट्स का एक संकलन जारी किया गया और प्रतिभागियों के साथ उनके संदर्भ के लिए साझा किया गया। कार्यक्रम में सफल प्रतियोगिता पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

भाकृ अनुप – सीफेट
ICAR–CIPHET
भाकृअनुप
ICAR
भाकृअनुप-सीफेट
ICAR-CIPHET